CBSE

अतिरिक्त अभ्यास पत्र – अंक योजना

विषय : हिंदी (कोड-002)

कक्षा : X | सत्र : 2023-24

खंड 'अ' वस्तुपरक प्रश्न

प्र.सं.	उत्तर	अंक
1.1	(d) दृढ़ इच्छाशक्ति के	1
1.2	(c) सफलता	1
1.3	(d) हम लक्ष्य को लेकर कोशिश करते रहेंगे	1
1.4	(b) कथन (क) सही और कथन (ख) गलत है।	1
1.5	(b) भाग्यवाद छोड़ें और कर्मवाद अपनाएँ	1
2.1	(b) बारिश	1
2.2	(d) कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी गलत व्याख्या है।	1
2.3	(b) बिजली की परतों की	1
2.4	(d) बादलों के आगमन से प्रकृति के उत्साह	1
2.5	(d) मानवीकरण	1
3.1	(c) केवल (क) और (ख)	1
3.2	(c) (क)-(iii), (ख)-(i), (ग)-(ii)	1
3.3	(d) कथन (क) सरल और कथन (ख) मिश्र वाक्य है।	1
3.4	(a) (क) और, (ख) ज्यों, त्यों	1
3.5	(d) लेकिन	1
4.1	(a) कर्म की प्रधानता, कर्ता अनुपस्थित	1
4.2	(d) कर्ता के साथ 'से', 'के द्वारा' परसर्गों का प्रयोग होता है।	1
4.3	(b) (क) कर्तृवाच्य का उदाहरण है। (ख) उसका कर्मवाच्य में रूपांतरण है।	1
4.4	(a) (क) कर्तृवाच्य, (ख) कर्मवाच्य	1
4.5	(a) केवल (क) और (ख) सही है।	1
5.1	(b) झटपट	1
5.2	(b) अकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, भूतकाल	1
5.3	(a) अनिश्चित परिमाणवाचक, मिठाई, स्त्रीलिंग	1
5.4	(a) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्म कारक	1

5.5	(d) बहुत	1
6.1	(d) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं।	1
6.2	(d) (क)-(iii), (ख)-(i), (ग)-(ii)	1
6.3	(d) अतिशयोक्ति	1
6.4	(d) जड़ पदार्थों पर मानवीय क्रियाएँ करने का आरोप लगाने पर मानवीकरण अलंकार होता है।	1
6.5	(b) (क) और (ख) में उत्प्रेक्षा और (ग) में मानवीकरण अलंकार है।	1
7.1	(d) उन्हें चश्मे के फ्रेम बदलने का कारण जानने की जिज्ञासा थी।	1
7.2	(d) उनके लिए जिज्ञासा पर नियंत्रण करना कठिन हो गया था	1
7.3	(a) शारीरिक गठन, भाव-भंगिमाओं	1
7.4	(b) पानवाला आधा-अधूरा उत्तर दे रहा था	1
7.5	(c) कथन (क), (ख) सही हैं किंतु (ग) गलत है।	1
8.1	(c) खानदानी रईसों का ढंग	1
8.2	(c) कथन (क) सही है और कथन (ख) उसकी सही व्याख्या है।	1
9.1	(d) क्षत्रियों का संहार करने वाले	1
9.2	(d) लक्ष्मण को बालक समझने	1
9.3	(c) कथन (क) गलत और कथन (ख) सही है।	1
9.4	(c) धनुष हाथ लगाते ही टूट गया था	1
9.5	(d) लक्ष्मण को डराने के लिए	1
10.1	(c) केवल कथन (क) और (ग) सही है।	1
10.2	(c) मुख्य गायक	1

वर्णात्मक प्रश्न

क्र.सं.	प्रश्न	अंक
11.1	(1) नियमित रूप से कबीर मठ जाना (2) कबीर के पदों को हमेशा गाते रहना (3) कथनी और करनी में अंतर नहीं करना (4) सादा और सरल जीवन जीना (5) पुत्र की मौत पर भी विचलित नहीं होना (6) कर्मकांड को न मानना (7) पतोहू को दूसरी शादी कर घर बसाने के लिए कहना (8) हमेशा सच बोलना और दूसरों से बढ़िया व्यवहार करना *किन्हीं दो बिंदुओं के लिखने पर 2 अंक दें*	2.0
11.2	(क) व्यक्ति का नाम, जैसे- मेरी नानी (ख) कारण- 1. वे कभी किसी पर गुस्सा नहीं करती हैं।	2.0

	2. कठिन परिस्थितियों में भी डटी रहती हैं। 3. वे बहुत सेवाभाव से काम करती हैं। *नाम लिखने पर 1 अंक और दो कारण लिखने पर प्रत्येक कारण के लिए 0.5 अंक दें।*	
11.3	(1) मानव जीवन का चिंतन और कलात्मक सृजन ही संस्कृति है। (2) वह सामर्थ्य, प्रवृत्ति और प्रेरणा जो हम अपने पुरखों से अकस्मात प्राप्त करते हैं, उसे सांस्कृतिक विरासत कहते हैं। *प्रत्येक सही बिंदु के लिए 1 अंक दें।*	2.0
11.4	(1) पाँच वक्त नमाज़ पढ़ना और सच्चा सुर पाने की प्रार्थना करना (2) हिरन की तरह अपनी खूबी से अनजान होना/विनम्र होना/ खुद को महान न समझना *इस प्रकार का उत्तर लिखने पर 2 अंक दें।*	2.0
12.1	(1) छल और कपटपूर्ण व्यवहार (2) श्रीकृष्ण स्वयं नहीं आकर ब्रज की युवतियों को उद्धव के माध्यम से योग-साधना का संदेश भिजवा रहे हैं।	2.0
12.2	(1) मुख्य गायक - मुख्य गायक की चट्टान जैसी भारी गंभीर आवाज़ का होना/बुलंद आवाज़ होना/आवाज़ में आत्मविश्वास होना *इनमें से कोई भी एक सही विशेषता लिखने पर 1 अंक दें।* (2) संगतकार - संगतकार की मधुर किंतु काँपती हुई आवाज़ का होना/आवाज़ में आत्मविश्वास की कमी होना/आवाज़ में मधुरता होना *इनमें से कोई भी एक सही विशेषता लिखने पर 1 अंक दें।*	1.0 1.0
12.3	(क) हाँ- शिशु से सभी का प्रेम होना/उनकी भाव-भंगिमाओं का स्वाभाविक रूप से सुंदर वर्णन करना (ख) ना- अपरिचित के पास आने से अनर्थ की आशंका/अनावश्यक प्रशंसा से अनिष्ट का संदेह/अपरिचित की मंशा पर अविश्वास/वर्तमान प्रतिकूल परिस्थितियाँ *इस प्रकार 'हाँ' या 'ना' का तर्कसहित कारण लिखने पर 2 अंक दें।*	2.0
12.4	(1) वसंत ऋतु पर (2) हरे-भरे पेड़, फूल और हरियाली के कारण सब कुछ रंगीन और आकर्षक लगना *प्रत्येक सही बिंदु के लिए 1 अंक दें।*	2.0
13.1	(1) ईश्वर भक्त - भक्ति-भावना से ओत-प्रोत होना (2) सेवा भाव - मूक प्राणियों की सेवा करना (3) कार्य के प्रति निष्ठा - कार्यों को निष्ठा के साथ करना, जैसे- कागज़ के 500 टुकड़े बनाना, राम नाम लिखना, मछलियों को खिलाना आदि। (4) स्नेही पिता - अधिकतर समय भोलानाथ के साथ व्यतीत करना *प्रत्येक सही बिंदु के लिए 1 अंक दें। अन्य सही उत्तर पर भी विचार करें।*	4.0

13.2	(क) सही मिलान- (क)-(iii), (ख)-(i), (ग)-(ii) *सही मिलान करने पर 1 अंक दें।* वाक्य (क) धरती पर इतना सुंदर नज़ारा देखना कि मानो तारों से भरा आकाश धरती पर आ गया हो और तारे टिमटिमा रहे हों। (ख) प्रेयर व्हील के बारे में लोगों की मान्यताओं को सुनकर विज्ञान की प्रगति से वर्तमान अंधविश्वासों को जोड़ना। (ग) आकाश में अचानक छाने वाले बादलों के कारण सभी नज़ारों का बादलमय होकर गायब हो जाना *प्रत्येक बिंदु के लिए सही वाक्य लिखने पर 1 अंक दें। अन्य सही उत्तर पर भी विचार करें।*	1.0 3.0
13.3	(क) कृति का अर्थ- तटस्थ होकर लिखने का भीतरी आनंद/लेखन के बाद प्राप्त होने वाला आत्म संतोष *सही उत्तर लिखने पर 1 अंक दें।* (क) संपादक के कहने पर अपनी लेखनी चलाने वाले लेखक (ख) प्रकाशकों की माँग के आधार पर उनकी सामग्री के बिक्री के उद्देश्य की पूर्ति हेतु लिखने वाले लेखक (ग) अपनी आय के साधन के रूप में किसी के अधीन कार्यरत लेखक *प्रत्येक सही बिंदु के लिए 1 अंक दें।*	1.0 3.0
14	<u>विषयवस्तु</u> (1) विषय केंद्रीयता (अनावश्यक बातें न करके केवल विषय-संबद्ध वर्णन-विवेचन) [1] (2) मौलिकता (सृजनात्मकता के साथ प्रभावपूर्ण भाषा तथा लेखन-शैली का स्वाभाविक रूप से प्रयोग करना) [1] (3) सीमित शब्दों में विषय के सभी पक्षों को संयोजित करना [0.5] (4) शब्द-सीमा का पालन [0.5] *हर मापदंड के लिए पूरे अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ पूरी होती हैं।* *हर मापदंड के लिए आधे अंक दें यदि दी गई अपेक्षाओं में सुधार की आवश्यकता है।* *हर मापदंड के लिए शून्य अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ बिलकुल पूरी नहीं होती हैं।* <u>प्रस्तुति</u> (1) क्रमबद्धता (विचारों को क्रमबद्ध एवं तर्कसंगत विधि से प्रकट करना) [1] (2) भूमिका तथा निष्कर्ष का होना [1] *हर मापदंड के लिए पूरे अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ पूरी होती हैं।* *हर मापदंड के लिए आधे अंक दें यदि दी गई अपेक्षाओं में सुधार की आवश्यकता है।* *हर मापदंड के लिए शून्य अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ बिलकुल पूरी नहीं होती हैं।* <u>भाषाई शुद्धता</u> (1) व्याकरण (व्याकरण सम्मत भाषा तथा विराम चिह्नों का उचित प्रयोग) [0.5] (2) वर्तनी (शब्दों की शुद्ध वर्तनी का प्रयोग) [0.5] *पूरे अंक दें यदि व्याकरण और वर्तनी को मिलाकर केवल 1-2 त्रुटियाँ हैं।* *आधे अंक दें यदि व्याकरण और वर्तनी को मिलाकर 3-5 त्रुटियाँ हैं।*	3.0 2.0 1.0

	शून्य अंक दें यदि व्याकरण और वर्तनी को मिलाकर 5 से अधिक त्रुटियाँ हैं।	
15.1	**<u>प्रारूप</u>** औपचारिक पत्र के सभी अंग सुनिश्चित करना • दिनांक एवं विषय-संकेत [0.25] • प्रेषक का पता [0.25] • प्राप्तकर्ता का पता [0.25] • संबोधन [0.25] • भूमिका तथा निष्कर्ष का होना [0.1] *हर मापदंड के लिए पूरे अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ पूरी होती हैं।* *हर मापदंड के लिए आधे अंक दें यदि दी गई अपेक्षाओं में सुधार की आवश्यकता है।* *हर मापदंड के लिए शून्य अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ बिलकुल पूरी नहीं होती हैं।*	2.0
	<u>विषयवस्तु</u> • विषय केंद्रीयता (अनावश्यक बातें न करके केवल विषय-संबद्ध वर्णन-विवेचन) [0.5] • सभी अंगों का सही क्रम सुनिश्चित करना [0.25] • भूमिका तथा समापन का होना [0.25] • क्रमबद्धता (विचारों को क्रमबद्ध एवं तर्कसंगत विधि से प्रकट करना) [0.5] • विचारों को औपचारिक शब्दों में प्रस्तुत करना [0.25] • शब्द-सीमा का पालन [0.25] *हर मापदंड के लिए पूरे अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ पूरी होती हैं।* *हर मापदंड के लिए आधे अंक दें यदि दी गई अपेक्षाओं में सुधार की आवश्यकता है।* *हर मापदंड के लिए शून्य अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ बिलकुल पूरी नहीं होती हैं।*	2.0
	<u>भाषाई शुद्धता</u> • व्याकरण (व्याकरण सम्मत भाषा तथा विराम चिह्नों का उचित प्रयोग) [0.5] • वर्तनी (शब्दों की शुद्ध वर्तनी का प्रयोग) [0.5] *पूरे अंक दें यदि व्याकरण और वर्तनी को मिलाकर केवल 1-2 त्रुटियाँ हैं।* *आधे अंक दें यदि व्याकरण और वर्तनी को मिलाकर 3-5 त्रुटियाँ हैं।* *शून्य अंक दें यदि व्याकरण और वर्तनी को मिलाकर 5 से अधिक त्रुटियाँ हैं।*	1.0
15.2	**<u>प्रारूप</u>** (1) अनौपचारिक पत्र के सभी अंग सुनिश्चित करना [1] • दिनांक [0.25] • प्रेषक का नाम और पता [0.25] • प्राप्तकर्ता का नाम और पता [0.25] • संबोधन एवं अभिवादन [0.25] *हर मापदंड के लिए पूरे अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ पूरी होती हैं।* *हर मापदंड के लिए आधे अंक दें यदि दी गई अपेक्षाओं में सुधार की आवश्यकता है।* *हर मापदंड के लिए शून्य अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ बिलकुल पूरी नहीं होती हैं।*	1.0
	<u>विषयवस्तु</u>	3.0

	(1) विषय केंद्रीयता (अनावश्यक बातें न करके केवल विषय-संबद्ध वर्णन-विवेचन) [1] (2) सभी अंगों का सही क्रम सुनिश्चित करना [0.5] (3) क्रमबद्धता (विचारों को क्रमबद्ध एवं तर्कसंगत विधि से प्रकट करना) [1] (4) शब्द-सीमा का पालन [0.5] *हर मापदंड के लिए पूरे अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ पूरी होती हैं।* *हर मापदंड के लिए आधे अंक दें यदि दी गई अपेक्षाओं में सुधार की आवश्यकता है।* *हर मापदंड के लिए शून्य अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ बिलकुल पूरी नहीं होती हैं।* **<u>भाषाई शुद्धता</u>** (1) व्याकरण (व्याकरण सम्मत भाषा तथा विराम चिह्नों का उचित प्रयोग) [0.5] (2) वर्तनी (परिचित और अपरिचित शब्दों की शुद्ध वर्तनी का उचित प्रयोग) [0.5] *पूरे अंक दें यदि व्याकरण और वर्तनी को मिलाकर केवल 1-2 त्रुटियाँ हैं।* *आधे अंक दें यदि व्याकरण और वर्तनी को मिलाकर 3-5 त्रुटियाँ हैं।* *शून्य अंक दें यदि व्याकरण और वर्तनी को मिलाकर 5 से अधिक त्रुटियाँ हैं।*	1.0
16.1	**<u>प्रारूप</u>** (1) प्रेषक और प्राप्तकर्ता का पता [0.25] (2) दिनांक एवं विषय-संकेत [0.25] (3) विविध सूचनाओं का क्रमबद्ध प्रवाह [0.25] (4) संबोधन एवं औपचारिक समापन [0.25] *हर मापदंड के लिए पूरे अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ पूरी होती हैं।* *हर मापदंड के लिए आधे अंक दें यदि दी गई अपेक्षाओं में सुधार की आवश्यकता है।* *हर मापदंड के लिए शून्य अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ बिलकुल पूरी नहीं होती हैं।* **<u>विषयवस्तु</u>** (1) विषय केंद्रीयता (अनावश्यक बातें न करके केवल विषय-संबद्ध वर्णन-विवेचन) [0.5] (2) विज्ञापन के आधार पर विज्ञापित पद के लिए स्वयं को योग्य सिद्ध करने का सामर्थ्य [0.5] (3) ईमानदार, स्पष्ट और व्यवस्थित विवरण (व्यक्तिगत परिचय, पता, संपर्क सूत्र, टेलीफोन, मोबाइल, ई-मेल, शैक्षणिक व व्यावसायिक योग्यताओं का विवरण, अन्य संबंधित योग्यताओं, विशेष उपलब्धियों का विवरण, उद्घोषणा) [0.5] (4) उम्मीदवार पद और संस्थान के प्रति गंभीरता और अभिरुचि [0.5] (5) विचारों को औपचारिक शब्दों में प्रस्तुत करना [0.5] (6) शब्द-सीमा का पालन [0.5] *हर मापदंड के लिए पूरे अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ पूरी होती हैं।* *हर मापदंड के लिए आधे अंक दें यदि दी गई अपेक्षाओं में सुधार की आवश्यकता है।* *हर मापदंड के लिए शून्य अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ बिलकुल पूरी नहीं होती हैं।* *हर मापदंड के लिए शून्य अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ बिलकुल पूरी नहीं होती हैं।* **<u>भाषाई शुद्धता</u>** (1) व्याकरण (व्याकरण सम्मत भाषा तथा विराम चिह्नों का उचित प्रयोग) [0.5]	1.0 3.0 1.0

	(2) वर्तनी (शब्दों की शुद्ध वर्तनी का प्रयोग) [0.5] *पूरे अंक दें यदि व्याकरण और वर्तनी को मिलाकर केवल 1-2 त्रुटियाँ हैं।* *आधे अंक दें यदि व्याकरण और वर्तनी को मिलाकर 3-5 त्रुटियाँ हैं।* *शून्य अंक दें यदि व्याकरण और वर्तनी को मिलाकर 5 से अधिक त्रुटियाँ हैं।*	
16.2	**<u>प्रारूप</u>** औपचारिक ई-मेल के सभी अंग सुनिश्चित करना (1) प्रेषक का ई-मेल पता [0.25] (2) प्राप्तकर्ता का ई-मेल पता [0.25] (3) सीसी या बीसीसी पता [0.25] (4) विषय-संकेत [0.05] (5) संबोधन [0.25] (6) समापन और हस्ताक्षर [0.25] (7) अटैचमेंट/संलग्न [0.25] *हर मापदंड के लिए पूरे अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ पूरी होती हैं।* *हर मापदंड के लिए आधे अंक दें यदि दी गई अपेक्षाओं में सुधार की आवश्यकता है।* *हर मापदंड के लिए शून्य अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ बिलकुल पूरी नहीं होती हैं।*	2.0
	<u>विषयवस्तु</u> (1) विषय केंद्रीयता (अनावश्यक बातें न करके केवल विषय-सम्बद्ध वर्णन-विवेचन) [0.5] (2) सभी अंगों का सही क्रम सुनिश्चित करना [0.25] (3) भूमिका तथा समापन का होना [0.25] (4) क्रमबद्धता (विचारों को क्रमबद्ध एवं तर्कसंगत विधि से प्रकट करना) [0.5] (5) विचारों को औपचारिक शब्दों में प्रस्तुत करना [0.25] (6) शब्द-सीमा का पालन [0.25] *हर मापदंड के लिए पूरे अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ पूरी होती हैं।* *हर मापदंड के लिए आधे अंक दें यदि दी गई अपेक्षाओं में सुधार की आवश्यकता है।* *हर मापदंड के लिए शून्य अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ बिलकुल पूरी नहीं होती हैं।*	2.0 1.0
	<u>भाषाई शुद्धता</u> (1) व्याकरण (व्याकरण सम्मत भाषा तथा विराम चिह्नों का उचित प्रयोग) [0.5] (2) वर्तनी (शब्दों की शुद्ध वर्तनी का प्रयोग) [0.5] *पूरे अंक दें यदि व्याकरण और वर्तनी को मिलाकर केवल 1-2 त्रुटियाँ हैं।* *आधे अंक दें यदि व्याकरण और वर्तनी को मिलाकर 3-5 त्रुटियाँ हैं।* *शून्य अंक दें यदि व्याकरण और वर्तनी को मिलाकर 5 से अधिक त्रुटियाँ हैं।*	
17.1	**<u>विषयवस्तु</u>**	1.5

	(1) विषय केंद्रीयता (अनावश्यक बातें न करके केवल विषय-संबद्ध वर्णन-विवेचन) [0.5] (2) पूर्णता (सीमित शब्दों में विज्ञापन के सभी पक्षों को संयोजित करना- क्या/कौन/कब/क्यों आदि।) [0.5] (3) लुभावनी, आकर्षक व प्रेरक भाषा का प्रयोग [0.25] (4) शब्द-सीमा का पालन [0.25] *हर मापदंड के लिए पूरे अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ पूरी होती हैं।* *हर मापदंड के लिए आधे अंक दें यदि दी गई अपेक्षाओं में सुधार की आवश्यकता है।* *हर मापदंड के लिए शून्य अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ बिलकुल पूरी नहीं होती हैं।*	
	प्रस्तुति (1) विज्ञापित वस्तु का नाम [0.25] (2) विज्ञापित वस्तु के गुण [0.5] (3) संपर्क हेतु सूचना (फ़ोन नंबर आदि) [0.25] (4) सृजनात्मकता [0.5] *हर मापदंड के लिए पूरे अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ पूरी होती हैं।* *हर मापदंड के लिए आधे अंक दें यदि दी गई अपेक्षाओं में सुधार की आवश्यकता है।* *हर मापदंड के लिए शून्य अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ बिलकुल पूरी नहीं होती हैं।*	1.5
	भाषाई शुद्धता (1) व्याकरण (व्याकरण सम्मत भाषा तथा विराम चिह्नों का उचित प्रयोग) [0.5] (2) वर्तनी (शब्दों की शुद्ध वर्तनी का प्रयोग) [0.5] *पूरे अंक दें यदि व्याकरण और वर्तनी को मिलाकर केवल 1-2 त्रुटियाँ हैं।* *आधे अंक दें यदि व्याकरण और वर्तनी को मिलाकर 3-5 त्रुटियाँ हैं।* *शून्य अंक दें यदि व्याकरण और वर्तनी को मिलाकर 5 से अधिक त्रुटियाँ हैं।*	1.0
17.2	विषयवस्तु (1) विषय केंद्रीयता (अनावश्यक बातें न करके केवल विषय-संबद्ध वर्णन-विवेचन) [1] • सरल भाषा का प्रयोग एवं सारगर्भिता [0.5] • शब्द-सीमा का पालन [0.5] *हर मापदंड के लिए पूरे अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ पूरी होती हैं।* *हर मापदंड के लिए आधे अंक दें यदि दी गई अपेक्षाओं में सुधार की आवश्यकता है।* *हर मापदंड के लिए शून्य अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ बिलकुल पूरी नहीं होती हैं।*	1.0
	प्रस्तुति (1) संदेश को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करना तथा सभी अंगों का उचित जगह होना [1] • तिथि एवं समय [0.25] • संदेश लेखक का नाम व पद [0.25] • विषय-संकेत [0.25] • अभिवादन [0.25] (2) सृजनात्मकता एवं मौलिकता [0.5] (3) विषयानुकूल दोहे, तुकांत पदों, श्लोक, रचनात्मक पंक्तियों का प्रयोग [0.5]	2.0

	हर मापदंड के लिए पूरे अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ पूरी होती हैं। *हर मापदंड के लिए आधे अंक दें यदि दी गई अपेक्षाओं में सुधार की आवश्यकता है।* *हर मापदंड के लिए शून्य अंक दें यदि दी गई अपेक्षाएँ बिलकुल पूरी नहीं होती हैं।* <u>भाषाई शुद्धता</u> (1) व्याकरण (व्याकरण सम्मत भाषा तथा विराम चिह्नों का उचित प्रयोग) [0.5] (2) वर्तनी (शब्दों की शुद्ध वर्तनी का प्रयोग) [0.5] *हर मापदंड के लिए पूरे अंक दें यदि व्याकरण और वर्तनी को मिलाकर केवल 1-2 त्रुटियाँ हैं।* *हर मापदंड के लिए आधे अंक दें यदि व्याकरण और वर्तनी को मिलाकर 3-5 त्रुटियाँ हैं।* *हर मापदंड के लिए शून्य अंक दें यदि व्याकरण और वर्तनी को मिलाकर 5 से अधिक त्रुटियाँ हैं।*	1.0